नए मानदंडों को एम्बेड करना

क्या ये नियम मेरे अभ्यास और संस्थान का हिस्सा हैं?

नैतिकता संपूर्ण यात्रा के दौरान प्रासंगिक है, और इससे परे- विचार से विरासत तक। नीतियों और प्रथाओं को इसे प्रतिबिंबित करने की आवश्यकता है।

जटिल अनुसंधान चीजों में प्रारंभिक योजना से विचलन हो सकता है। इसलिए हमारी नैतिक अनुमोदन प्रक्रियाएं दोहराई जानी चाहिए- बिना किसी अनुवर्ती अनुमोदन के एक बार की अनुमोदन प्रक्रिया नहीं।

क्या ये मानदंड वास्तव में नए हैं?

ऐतिहासिक रूप से, इन मानदंडों को दृढ़ता से परिलक्षित नहीं किया गया है कि कैसे वैश्विक शोध को अकादमिक संस्थानों में, विशेष रूप से 'पश्चिमी' ढांचे के साथ काम करने वाले लोगों द्वारा तैयार किया गया है और उनका समर्थन किया गया है। रिश्तों, प्राथमिकता, परस्परता, संदर्भ और जवाबदेही पर रखी गई प्राथमिकता को देखते हुए, यह संभावना है किये मानदंड कई समुदायों और प्रतिभागियों को वैश्विक शोध में योगदान देने के लिए आमंत्रित महसूस करेंगे।

शोधकर्ताओं को नैतिक चुनौतियों का सामना करने और वैश्विक शैक्षणिक गांव में साथियों से समर्थन प्राप्त करने और बोलने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।
हमें अनुसंधान के भीतर परिवर्तनों और चुनौतियों की रिपोर्टिंग करने और समाधान-खोज को सक्रिय रूप से समर्थन करने के लिए विशेषज्ञ होना चाहिए।

नियमन और कानून से बाध्य होने के साथ नैतिकता प्रासंगकि है। मजबूत नैतिक अनुप्रयोग प्रक्रियाएं वे हैं जो संभावित प्रासंगिक मुद्दों और नियामक संघर्षों को उजागर करती हैं।

मजबूत नैतिक प्रक्रियाओं में अनुमोदन और समर्थन घटक दोनों होना चाहिए।

जटिल परियोजनाओं के लिए जवाबदेही शामिल होनी चाहिए:
- सभी परियोजनाओं की स्वतंत्र समीक्षा (पीआई या पर्यवेक्षक द्वारा हस्ताक्षरित नहीं)
- रिपोर्टिंग, और साझा करने, चुनौतियों का सामना करने और समाधान तक पहुंचने की प्रक्रिया (दोनों के लिए जवाबदेही और सीखने की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए)

समर्थन में एक सहकर्मी सहायता व्यक्ति या संदर्भ समूह तक पहुंच शामिल हो सकती है – अर्थात् एक गैर-निर्णय लेने वाला निकाय / व्यक्ति वैश्विक शोधकर्ताओं और सहयोगियों को कॉलेजियम नैतिकता समर्थन प्रदान करना।

THE UNIVERSITY *of* EDINBURGH
College of Arts, Humanities and Social Sciences

THE UNIVERSITY *of* EDINBURGH
Edinburgh Research Office

THE UNIVERSITY *of* EDINBURGH
Global Academy of Agriculture and Food Security

THE UNIVERSITY *of* EDINBURGH
Global Health Academy

GCRF
Global Challenges Research Fund

Scottish Funding Council
Promoting further and higher education

VICTORIA UNIVERSITY
MELBOURNE AUSTRALIA

वैश्वकि चुनौतियों के अनुसंधान में नैतिक समाधान सक्षम करना

नैतिक समाधान:
- सामाजिक इक्विटी और संपन्न निरंतर समुदायों को प्रोत्साहित करने के लिए डिज़ाइन किये गए हैं
- कई स्थानों पर पाए जा सकते हैं
- साझा मानवीय और साम्यवादी मूल्यों पर बनाये गए है
- अनुसंधान विरासत सहित पूरी शोध यात्रा को को ध्यान में रखते हैं
- आवश्यक सिद्धांतों और प्रासंगिक विनियमन के साथ जोड़ा जाना चाहिए
- सहयोग, चिंतनशील अभ्यास और नवाचार के लिए खुलेपन के माध्यम से सक्षम हैं
- अनुसंधान एजेंडा, प्रक्रियाओं और रिपोर्टिंग पर बिजली के अंतर के प्रभाव के प्रति जागरूक हैं
- संस्थागत प्रक्रियाओं और चल रहे समर्थन द्वारा समर्थित हैं
- के लिए आवश्यक हो सकता है कि हम (और हमारे साथी) 'लंबी सड़क लेने के लिए' तैयार हों।

वैश्विक चुनौतियों अनुसंधान में नैतिकता नहीं है:
- एक मानकीकृत प्रक्रिया या कठोर प्रक्रिया को अपनाना और उसका पालन करना
- 'एक बार की कार्रवाई' (उदाहरण के लिए, कोई फ़ॉर्म या अनुमोदन प्रक्रिया पूरी करना)
- मुख्य रूप से धन संबंधी निर्णय या राजनीतिक एजेंडा द्वारा संचालित
- समूहों में शामिल या लगाए गए समुदायों से अलगाव में आयोजित किया जाता है।

ईमेल: **ethicalglobalresearch@ed.ac.uk**
सह-लेखक:

डॉ। क्लारा कैलिया और प्रोफेसर लिज़ ग्रांट, यूनिवर्सिटी ऑफ़ एडिनबर्ग, यूके
प्रोफेसर कॉर्नी रीड, विक्टोरिया विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया
डॉ। क्रिस्टोबाल गुएरा, यूनिवर्सिडेड सैंटो टॉमस, चिली

एडिनबर्ग विश्वविद्यालय में नैतिक वैश्विक अनुसंधान परियोजना को फ़्लोश रिसर्च टीम (विक्टोरिया विश्वविद्यालय, मेलबर्न और मलावी में सदस्यों सहित) द्वारा, वैश्विक स्वास्थ्य अकादमी, कृषि और खाद्य सुरक्षा की वैश्विक अकादमी और स्वास्थ्य के, स्कूल के सहयोग से सामाजिक विज्ञान, अनुसंधान सहायता कार्यालय के साथ निकट सहयोग में शुरू किया गया था। इस संसाधन को GCRF SFC ODA Global Challenges - एडिनबर्ग विश्वविद्यालय में आंतरिक वित्त पोषण योजना के उदार सहायता के द्वारा संभव बनाया गया है।

रचानात्मक कॉमन्स CC-BY-SA लाइसेंस के तहत प्रकाशित
© एडनिबर्ग वशि्ववद्यिालय २०१९

THE UNIVERSITY *of* EDINBURGH

शोधकर्ताओं, चिकित्सकों और अन्य लोगों के लिए एक गाइड जो जटिल कम आय या नाजुक सेटिंग्स में अनुसंधान को सक्षम करते हैं।

एक नैतिक अनुसंधान यात्रा

क्या वैश्विक अनुसंधान में निरंतर नैतिक कार्रवाई को सक्षम करेगा?

वैश्विक अनुसंधान परियोजनाएं अद्वितीय चुनौतियांपेश करती हैं। वे सफल अंत:विषय और क्रॉस-सांस्कृतिक सहयोग के विकास पर निर्भर हैं, जनिमें हितधारक समूह शामिल हैं जो कमजोर या हाशिए पर हैं।

एक साथ नैतिक वैश्विक अनुसंधान करना

यह परियोजना इस बात को मजबूत करने के लिए मौजूद है कि हम वैश्विक अनुसंधान में नैतिक कार्रवाई का नेतृत्व, समर्थन और सक्षम कैसे करें। यह परियोजना नैतिकता के आधार पर मूल्यों से प्रेरित, समाधान-आधारित और नैतिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देती है। यह नैतिक अनुसंधान आचरण के बारे में अपेक्षाओं के तेजी से बदलते परिदृश्य में मौजूदा और उभरते मुद्दों को रोशन और संबोधित करना चाहता है। वैश्विक नेटवर्क के सहयोग से, हम वैश्विक चुनौतियों के अनुसंधान में शामिल लोगों का समर्थन करने के लिए व्यावहारिक उपकरण और गाइड विकसित करने के लिए प्रमुख मुद्दों और समाधानों की पहचान करते हैं।

वैश्विक शैक्षणिक समुदाय द्वारा आकार में एक जीवित दस्तावेज

२०० से अधिक शोधकर्ताओं, चिकित्सकों और वैश्विक अनुसंधान में शामिल अन्य लोगों ने १६ देशों के एडिनबर्ग विश्वविद्यालय में गोलमेज घटनाओं की एक श्रृंखला के माध्यम से इस गाइड में योगदान और प्रतिक्रियाएं दीं। इसमें ३० से अधिक देशों के प्रतिनिधित्व, ४५ विश्वविद्यालयों और ११ अन्य संस्थानों में ६० से से अधकि वषियों को शामिल किया गया था। इन समृद्ध और गहन वार्तालापों ने इस संसाधन के वकास को प्रेरित किया और आकार दिया।

अनुसंधान जीवन को प्रभावित करता है। नैतिक वैश्विक अनुसंधान समान माप में दयालु और जवाबदेह है।

नैतिक चुनौतियां हमेशा स्पष्ट नहीं होती हैं और समाधान खोजना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। यदि यह कार्य एक साथ किया जाए, तो साझेदारी मजबूत हो सकती है।

अक्सर एक ही समस्या का एक से अधिक नैतिक समाधान होता है। कभी-कभी यह 'सबसे नैतिक, यद्यपि, अपूर्ण, अब के लिए वकिल्प' चुनने का सवाल है।

दोनों चुनौतियां और समाधान एक गतिशील इंटरप्ले में मौजूद हैं जो एक समय काम करता है अगली बार काम नहीं कर सकता है – हमारे समाधानों को परिस्थितियों को उजागर करने के लिए उत्तरदायी होने की आवश्यकता है।

नए विचारों के लिए खुलापन अप्रत्याशित समय पर नवाचार को चला सकता है। अक्सर रचनात्मक समाधान नैतिक समाधान हो सकते हैं।

अंदर: इन्फोग्राफिक
पीछे का कवर: हमारे अभ्यास और संस्थानों में नए मानदंडों को एम्बेड करना

www.ethical-global-research.ed.ac.uk

एक नैतिक अनुसंधान यात्रा

नैतिक कार्यों और परिणामों को सक्षम करने के लिए हम जटिल और नाजुक सेटिंग्स में काम करते हैं।

THE UNIVERSITY *of* EDINBURGH

एक शोध यात्रा के प्रत्येक चरण में नैतिक विचार प्रासंगिक हैं।

वैश्विक शोधकर्ताओं * ने उभरते हुए नैतिक मुद्दों की एक श्रृंखला की पहचान की है। ये दिन-प्रतिदिन निर्णय लेने और कार्यों में हमारा मार्गदर्शन करने के लिए महत्वपूर्ण सवालों में आसुत हैं। (इटैलिक देखें).

हम नैतिक कार्रवाई में कैसे योगदान करते हैं? हमारी योजना क्या है?

शोध यात्रा न तो रैखिक है और न ही पूर्वानुमान है। कई अकादमिक संचालित परियोजनाएं एक समान पैटर्न साझा करते है, हालांकि चरणों का क्रम अलग हो सकता है। पिछले चरणों को फिर से देखना अक्सर आवश्यक होता है। यह चित्रण एक शोध यात्रा के विभिन्न पहलुओं पर हमारे प्रतबिबि को संकेत देने और हमारे काम के लिए सबसे अधिक प्रासंगिक पहलू के बारे मे विचार करने के लिए विकसित किया गया है।

चार प (The Four P's)

परस्पर जुड़े हुए सूत्र

जहाँ नैतिक चुनौतियाँ और दुविधाएँ उभरती हैं। जहाँ समाधान मिल सकता है।

ये स्वतंत्र धागे अनुसंधान के सभी चरणों के माध्यम से बुनाई करते हैं। दुविधाओं को समझने और नैतिक समाधान खोजने के लिए, हम इन किस्में को बहुआयामी तरीकों से प्रतिबिंबित करने की आवश्यकता है। इन्हें अंग्रेजी में 'the four p's' कहा गया है।

जगह (PLACE)
इस संदर्भ में क्या उचित होगा ?

लोग (PEOPLE)
क्या हमें अपना सर्वश्रेष्ठ लाने में मदद करेगा और आवश्यक समर्थन में आकर्षित करेगा?

सद्धिांत (PRINCIPLES)
क्या विश्वदृष्टि और मूल्य हमारा मार्गदर्शन करेंगे?

मिसाल (PRECEDENT)
काम करने के स्थापित तरीकों में हमें क्या करने या चुनौती देने की आवश्यकता है?

0
नैतिकता
अनुसंधान संस्कृति में
पहले से मौजूद संस्थागत और व्यक्तिगत विश्व साक्षात्कार जो हमारी प्राथमिकताओं को आकार देते हैं और जो हमें खुद को अनुसंधान में उन्मुख करने में मदद करते हैं।

इस परियोजना में विभिन्न शोध संस्कृतियाँ क्या है? वे कैसे बातचीत करेंगे?

1
नैतिकता
शोध के सवालों में
अनुसंधान विचार को पूरा करना : गहन ज्ञान और समझ उत्पन्न करने वाला जांच का क्षेत्र।

यह शोध प्रश्न क्या नुकसान पहुंचा सकता है? क्या लाभ सक्षम हो हो सकते हैं?

2
नैतिकता
टीम वकिास में
काम की अगुवाई कर रहे लोगों की पहचान करना और उन्हें लैस करना।

एक अंत:विषय टीम के रूप में, हम अपने नैतिक पदों और अंतर्निहित तनावों/कठिनाइयों का पता कैसे लगा सकते हैं, इस परियोजना में हम संभावित रूप से मुठभेड़ कर सकते हैं?

3
नैतिकता
साझेदारी विकास में
परियोजना को आगे बढ़ाने और विभिन्न संदर्भों में सहभागिता को सक्षम करने के लिए विभिन्न समूहों और एजेंसियों को शामिल करना।

क्या हमारी साझेदारी में सहयोगी संस्कृति को स्थापित करने और उसे बनाए रखने में हमारी मदद करेगा?

4
नैतिकता
प्रस्ताव विकास में
अनुसंधान को औपचारिक बनाने के लिए गतिविधि और इसे कैसे पुनर्जीवित किया जाएगा (उदाहरण के लिए साझेदारी की खोज, अनुदान आवेदन आदि)।

इस परियोजना को किस तरह संरचित और पुनर्जीवित किया जा रहा है? इससे क्या नैतिक मुद्दे पैदा हो रहे हैं?

5
नैतिक अनुमोदन और प्रासंगिक विनियमन के लिए आवेदन
चुने हुए शोध प्रश्न और कार्यप्रणाली के नैतिक और नियामक प्रभावों का आकलन करने के लिए औपचारिक सहकर्मी समीक्षा।

नैतिक जोखिमों, अवसरों, प्रतिक्रियाओं और जवाबदेही को पूरी तरह से वर्णित करने के लिए हमारे नैतिकता के आवेदन में क्या शामिल होना चाहिए? क्या अन्य नियम प्रासंगिक हैं?

6
नैतिकता
डेटा संग्रह के विभिन्न चरणों में
क्षेत्र, प्रयोग, या प्रयोगशाला का काम शुरू होता है; डेटा अखंडता और नष्ठिा का मूल्यांकन किया जाता है।

क्या हमारी डेटा संग्रह प्रक्रिया प्रतिभागियों, या अंतिम उपयोगकर्ताओं, या शोधकर्ताओं या भागीदारों के लिए कोई संभावित जोखिम या परेशानी पेश करती है?

7
नैतिकता
परियोजना के विकास और डेटा संग्रह के समाप्त होने के बाद
हर परियोजना को विकसित करने और अनुकूलित करने की आवश्यकता है और हमारी संस्था(नों) से आगे नैतिक अनुमोदन की आवश्यकता हो सकती है।

क्या मुद्दे उभर रहे हैं और हमें नैतिक परिणामों को सुनिश्चित करने के लिए कैसे अनुकूल होना चाहिए?

8
नैतिकता
डेटा विश्लेषण और व्याख्या में
एकत्रित किए गए डेटा का का अर्थ बनाना।

डेटा विश्लेषण का नेतृत्व कौन कर रहा है? हम गैसों को नियंत्रित करने के लिए क्या उपाय कर रहे हैं?

9
नैतिकता
लेखन में
जवाबदेही और प्रभाव के लिए अनुसंधान पद्धति और निष्कर्षों को पूरा करना।

हम किसको और किसके लिए लिखते हैं? हमारे जर्नल पेपर की व्याख्या और उपयोग कैसे किया जा सकता है?

10
नैतिकता
ज्ञान विनिमय और प्रसार में
व्यापक दर्शकों तक पहुंचनेके लिए अनुसंधान निष्कर्षों को सक्षम करना।

हम उन तरीकों से अनुसंधान निष्कर्षों को कैसे साझा कर सकते हैं जो सभी को शामिल करते हैं और सकारात्मक प्रभाव डालते हैं?

11
नैतिकता
अनुवाद करने में
नीति निर्माताओं, चिकित्सकों और समुदायों सहित प्रासंगिक क्षेत्रों के काम को आकार देने वाले शोध निष्कर्ष।

क्या और कौन हमें अलग-अलग वैश्विक संदर्भों में नीति को प्रभावी ढंग से आकार देने के लिए अनुसंधान का अनुवाद करने में मदद करेगा?

12
नैतिकता
विरासत, प्रभाव और भविष्य-प्रमाण में
सीखने की अंतर्दृष्टि और किसी भी अध्ययन के दीर्घकालिक प्रभाव।

हम अपनी परियोजना के सकारात्मक प्रभावों को सुनिश्चित करने के लिए क्या कर रहे हैं और किसी भी संभावित नकारात्मक प्रभाव को कम किया जा रहा है?

मार्गदर्शक प्रधान और मूल्य

नैतिक कार्रवाई में मार्गदर्शन करने के लिए एक कम्पास – विशेष रूप से नई और अनोखी स्थितियों में।

नुकसान न करें°
नुकसान करने के गुरुत्वाकर्षण और नैतिक निहितार्थ को पहचानें। हम आपस में जुड़े हुए हैं। लोगों, जानवरों, पौधो और पर्यावरण को नुकसान- यहां तक कि अनपेक्षित रूप से व्यक्तियों समुदायों और ग्रहों की भलाई को प्रभावित करता है।

उत्कर्ष सक्षम करें
आवश्यक और तत्काल आवश्यक परिवर्तन को सक्षम करें।

कनेक्ट: लोग और ग्रह पहले
रिश्तों में निवेश करें – पहचानें कि वे अनुसंधान के दिल हैं- ध्यान से सुनना, विश्वसनीय, पारदर्शी और जवाबदेह होना और सम्मानपूर्वक व्यवहार करना, जिसमें पृथ्वी के संसाधनों के संबंध में शामलि हैं।

जागरूक रहें बहादुर बनो सुरक्षित रहें
नैतिक चुनौतियों के प्रति सतर्कतापूर्वक पहचान करने और प्रतिक्रिया करने में सक्षम होना, सुरक्षा कारणों के प्रति सतर्क रहना।

हमारे अपने सीखने में निवेश करें
आत्म-जागरूक होना और सक्रिय रूप से पारस्परिक कौशल और चिंतनशील अभ्यास को मजबूत करें।

संदर्भ और करुणा
हमेशा एक प्रासंगिक उपयुक्त दयालु तरीके से काम करें।

प्रतिबद्धता
चिंतनशील, जवाबदेह और निरंतर रहें, खासकर जब चुनौतियों का सामना करना पड़े।

°जहां वैज्ञानिक और नैदानिक अनुसंधान में जानवरों को कठोर नियामक नियंत्रण शामिल है, आगे बढ़ने से पहले संभावित नुकसान और लाभों की जांच करने के लिए पालन किया जाना चाहिए। सभी शोध देश के विशिष्ट राष्ट्रीय विनियमन के अधीन हैं।

*वैश्विक शैक्षणिक समुदाय के ३० से अधिक देशों के २०० से अधिक लोगों ने इस संसाधन के विकास में योगदान दिया।

www.ethical-global-research.ed.ac.uk